३. सच हम नहीं; सच तुम नहीं

– डॉ. जगदीश गुप्त

कवि परिचय : डॉ. जगदीश गुप्त जी का जन्म १९२४ को उत्तर प्रदेश के शाहाबाद में हुआ । प्रयोगवाद के पश्चात जिस 'नयी कविता' का प्रारंभ हुआ; उसके प्रवर्तकों में आपका नाम प्रमुख रूप से लिया जाता है । नया कथ्य, नया भाव पक्ष और नये कलेवर की कलात्मक अभिव्यक्ति आपके साहित्य की विशेषताएँ रही हैं । अनेक धार्मिक एवं पौराणिक प्रसंगों और चरित्रों को नये संदर्भ देने का महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्य आपने किया है । 'नयी कविता' की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए आपने इसी नाम की पत्रिका का प्रकाशन प्रारंभ किया । आपका निधन २००१ में हुआ ।

प्रमुख कृतियाँ : 'नाव के पाँव', 'शब्द दंश', 'हिम विद्ध', 'गोपा-गौतम' (काव्य संग्रह), 'शंबूक' (खंडकाव्य), 'भारतीय कला के पद चिह्न', 'नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ', 'केशवदास' (आलोचना), 'नयी कविता' (पत्रिका) आदि ।

विधा परिचय : प्रयोगवाद के बाद हिंदी कविता की जो नवीन धारा विकसित हुई वह 'नयी कविता' है । नये भावबोधों की अभिव्यक्ति के साथ नये मूल्यों और नये शिल्प विधान का अन्वेषण नयी कविता की विशेषताएँ हैं । नयी कविता का प्रारंभ डॉ. जगदीश गुप्त, रामस्वरूप चतुर्वेदी और विजयदेव साही के संपादन में प्रकाशित 'नयी कविता' पत्रिका से माना जाता है ।

पाठ परिचय : प्रस्तुत नयी कविता में कवि संघर्ष को ही जीवन की सच्चाई मानते हैं । सच्चा मनुष्य वही है जो कठिनाइयों से घबराकर, मुसीबतों से डरकर न कभी झुके, न रुके, परिस्थितियों से हार न माने । राह में चाहे फूल मिलें या शूल, वह चलता रहे क्योंकि जिंदगी सहज चलने का नाम नहीं बल्कि लीक से हटकर चलने का नाम है । हमें अपनी क्षमताएँ स्वयं ही पहचाननी होंगी । राह से भटककर भी मंजिल अवश्य मिलेगी। भीतर-बाहर से एक-सा रहना ही आदर्श है । हमें अपने दुखों को पहचानना होगा, अपने आँसू स्वयं पोंछने होंगे तथा स्वयं योद्धा बनना होगा । जीवन संघर्ष की यही कहानी है ।

सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।
सच है सतत संघर्ष ही ।
संघर्ष से हटकर जीए तो क्या जीए, हम या कि तुम ।
जो नत हुआ, वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झरकर कुसुम ।
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे ।
जो है जहाँ चुपचाप, अपने-आपसे लड़ता रहे ।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँटे चुभें, कलियाँ खिलें,
टूटे नहीं इनसान, बस ! संदेश यौवन का यही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

हमने रचा, आओ ! हमीं अब तोड़ दें इस प्यार को ।
यह क्या मिलन, मिलना वही, जो मोड़ दे मँझधार को ।
जो साथ फूलों के चले,
जो ढाल पाते ही ढले,
यह जिंदगी क्या जिंदगी जो सिर्फ पानी-सी बही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

अपने हृदय का सत्य, अपने-आप हमको खोजना ।
अपने नयन का नीर, अपने-आप हमको पोंछना ।
आकाश सुख देगा नहीं
धरती पसीजी है कहीं !
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

बेकार है मुस्कान से ढकना हृदय की खिन्नता ।
आदर्श हो सकती नहीं, तन और मन की भिन्नता ।
जब तक बँधी है चेतना
जब तक प्रणय दुख से घना
तब तक न मानूँगा कभी, इस राह को ही मैं सही ।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं ।

– ('नाव के पाँव' कविता संग्रह से)

०

शब्दार्थ

नत = झुका हुआ
जड़ता = अचलता, ठहराव
पसीजना = मन में दया भाव आना
वृंत = डंठल
मँझधार = नदी की बीच की धारा
चेतना = जागृत अवस्था

आकलन

१. (अ) कविता की पंक्ति पूर्ण कीजिए :

(१) बेकार है मुस्कान से ढकना, ...

(२) आदर्श नहीं हो सकती, ...

(३) अपने हृदय का सत्य, ...

(४) अपने नयन का नीर, ...

(आ) लिखिए :

(१) जीवन यही है – ....

(२) मिलना वही है – ....

शब्द संपदा

२. प्रत्येक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(अ) पंथ –		
(आ) काँटा –		
(इ) फूल –		
(ई) नीर –		
(उ) नयन –		

अभिव्यक्ति

३. (अ) 'जीवन निरंतर चलते रहने का नाम है', इस विचार की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

(आ) 'संघर्ष करने वाला ही जीवन का लक्ष्य प्राप्त करता है', इस विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

रसास्वादन

४. 'आँसुओं को पोंछकर अपनी क्षमताओं को पहचानना ही जीवन है', इस सच्चाई को समझाते हुए कविता का रसास्वादन कीजिए ।

साहित्य संबंधी सामान्य ज्ञान

५. जानकारी दीजिए :

(अ) 'नयी कविता' के अन्य कवियों के नाम –

(आ) कवि डॉ. जगदीश गुप्त की प्रमुख साहित्यिक कृतियों के नाम –

६. निम्नलिखित वाक्यों में अधोरेखांकित शब्दों का लिंग परिवर्तन कर वाक्य फिर से लिखिए :

(१) बहुत चेष्टा करने पर भी हरिण न आया ।

....

(२) सिद्धहस्त लेखिका बनना ही उसका एकमात्र सपना था ।

....

(३) तुम एक समझदार लड़की हो ।

....

(४) मैं पहली बार वृद्धाश्रम में मौसी से मिलने आया था ।

....

(५) तुम्हारे जैसा पुत्र भगवान सब को दें ।

....

(६) साधु की विद्वत्ता की धाक दूर-दूर तक फैल गई थी ।

....

(७) बूढ़े मर गए ।

....

(८) वह एक दस वर्ष का बच्चा छोड़ा गया ।

....

(९) तुम्हारा मौसेरा भाई माफी माँगने पहुँचा था ।

....

(१०) एक अच्छी सहेली के नाते तुम उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि का अध्ययन करो ।

....